यूरोप में रूस को जवाब देने के लिए तैयार अमेरिका

पेंटागन ने 8500 सैनिकों को रखा हाई-अलर्ट पर

अलर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। रूस और यूक्रेन के बीच जंग के बादल मंडरा रहे हैं। हर दिन दोनों पक्षों की ओर से सैन्य तैयारियों की खबरें आती हैं। पूर्वी यूरोप के इस झगड़े में पश्चिमी देश अमेरिका बड़ी भूमिका निभा रहा है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने कहा है कि अगर यूरोप में सुरक्षा की स्थिति और ज्यादा बिगड़ती है तो नाटो अपनी रिस्पॉन्स टीम को सक्रिय करेगा जिसके लिए अमेरिका में करीब 8,500 अमेरिकी सैनिकों को अलर्ट पर रखा गया है।

इस बीच यूरोपीय संघ की विदेश नीति के प्रमुख जोसेप बोरेल ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ बातचीत के बाद यूक्रेन संकट पर पश्चिमी आशंकाओं को शांत करने की मांग की है। बोरेल ने सोमवार को कहा कि हमें खतरनाक प्रतिक्रियाओं से बचना चाहिए। यूक्रेन के पास रूस के सैन्य निर्माण से तनाव बढ़ने के बाद नाटो बलों को

स्टैंडबाय पर रखा गया है और पूर्वी यूरोप की रक्षा को मजबूत करने के लिए जहाजों और लड़ाकू जेट विमानों को भेजा गया है।

सैनिकों की तैनाती के आदेश नहीं पेंटागन के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने सोमवार को एक न्यूज ब्रीफिंग के दौरान कहा कि रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने यूक्रेन की रक्षा के लिए नाटो बलों की सहायता के लिए 8500 सैनिकों को हाई अलर्ट पर रखा है। उन्होंने कहा कि फिलहाल तैनाती के कोई आदेश नहीं दिए गए हैं। नाटो ने बयान जारी कर बताया है कि उसने सहयोगी देशों की सेनाओं को अलर्ट पर रखा है। नाटो ने चेतावनी दी है कि अगर रूस ने यूक्रेन की सीमा पर सैन्य तनाव को जारी रखा तो उसकी घेराबंदी को और मजबूत किया जाएगा।

नाटो सेनाएं स्टैंडबॉय परः नाटो ने बताया है कि पिछले कई दिनों में उसके सदस्य देशों ने पूर्वी यूरोप में सैन्य तैनाती को लेकर अपने रुख को स्पष्ट किया है। कई देश ऐसे भी हैं, जिन्होंने नाटो रिस्पांस फोर्सेज को मजबूत करने के लिए अपने युद्धपोतों, लड़ाकू विमान और थल सेना को स्टैंडबॉय पर रखा हुआ है। जरूरत पड़ने पर इन सैनिकों और हथियारों को पूर्वी यूरोप में तैनात किया जा सकता है। अमेरिका ने चेतावनी दी है कि अगर रूस ने हमला किया तो उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

रूस ने नाटो हथियारों को हटाने की दी चेतावनीः उधर, रूस ने भी साफ कर दिया है कि अगर नाटो के हथियारों को यूक्रेन से नहीं हटाया गया तो कुछ भी हो सकता है। यूक्रेनी सीमा पर रूसी सैनिकों के जमावड़े और काला सागर में रूसी नौसेना की बढ़ती ताकत से पूरी दुनिया दहशत में है।

यही कारण है कि अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य संगठन नाटो ने यूक्रेन की सुरक्षा के लिए पूर्वी यूरोप में एफ-35, एफ-16 लड़ाकू विमानों, सैनिकों और युद्धपोतों को तैनात कर दिया है। ये तैनाती रूस के नजदीक स्थित अलग-अलग देशों में की गई है।

न्यूज डायरी

'आतंकवाद को समाप्त करने की समन्वित नीति बनाने में नाकाम रहा है यूएन'

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) संयुक्त राष्ट्र। भारत ने इस बात पर चिंता जताई है कि संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद की एक साझा परिभाषा पर अभी तक सहमत नहीं हुआ है। ना ही इस वैश्विक संकट से निपटने एवं आतंकवादी नेटवर्क को खत्म करने के लिए कोई समन्वित नीति तैयार की गई है। भारत ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देश अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ एक व्यापक संधि करने की प्रक्रिया को टालते जा रहे हैं और असफल साबित हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में द्वितीय सचिव दिनेश सेतिया ने सोमवार को संगठन के कार्य पर महासचिव की रिपोर्ट पर विचार-विमर्श के लिए आयोजित संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में कहा, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से देश और समाज जिस सबसे खतरनाक संकट से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र अभी किसी साझा परिभाषा पर सहमत नहीं हो पाया है।

पाकिस्तान के गृहमंत्री ने भारत के खिलाफ उगला जहर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के गृह मंत्री शेख रशीद ने एक बार फिर भारत के खिलाफ जहरीले बोल बोले हैं। सोमवार को रशीद ने कहा कि अफगानिस्तान में भारत को सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा। अब उसकी खुफिया एजेंसी रॉ अब पाकिस्तान में लोकल गुंडों को शांति भंग करने के लिए पैसे दे रही है। सीनेट में बोलते हुए उन्होंने यह टिप्पणी की। पाकिस्तान तालिबान के साथ बातचीत पर शेख रशीद ने कहा कि अब सरकार और टीटीपी के बीच कोई बातचीत नहीं होगी। उन तत्वों के साथ बातचीत संभव नहीं है जो पाकिस्तान के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि भारत अफगान तालिबान के साथ पाकिस्तान के बेहतर संबंधों को नहीं देखना चाहता है क्योंकि उसे अफगानिस्तान में एक बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। इस दौरान शेख रशीद ने भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ पर पाकिस्तान में अशांति फैलाने का आरोप लगाया। रशीद ने आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले कुछ महीनों में पाकिस्तान में आतंकवादी हमले बढ़े हैं। भारत पिछले साल लाहौर में जौहर टाउन विस्फोट में शामिल था। इंडियन रिसर्च एंड एनालिसिस विंग ने उग्रवाद को अंजाम देने के लिए स्थानीय अपराधियों को शामिल किया है।

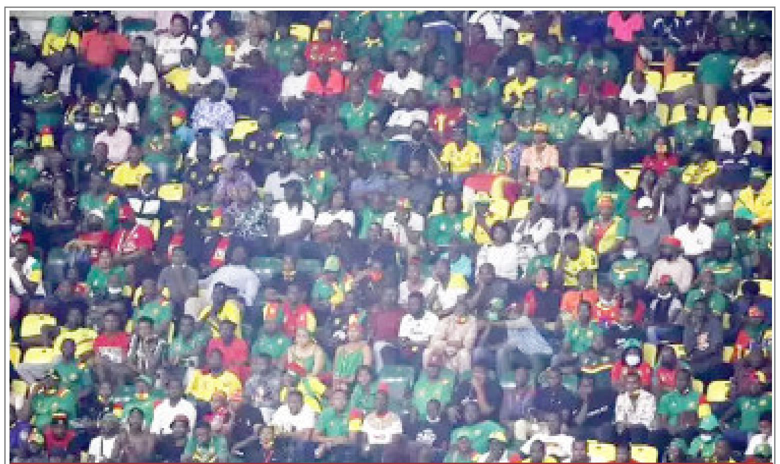

फुटबॉल मैच में 50000 दर्शकों ने की स्टेडियम में घुसने की कोशिश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) याओंडे। अफ्रीका के शीर्ष फुटबॉल टूर्नामेंट के एक मैच के दौरान स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है। इस घटना से उपमहाद्वीप के सबसे बड़े खेल आयोजन की मेजबानी की कैमरून की क्षमता पर भी प्रश्नचिन्ह लग गया है । कैमरून के केंद्रीय क्षेत्र के गर्वनर नासेरी पॉल बिया ने कहा कि मरने वालों की संख्या अधिक भी हो सकती है। उन्होंने सोमवार को कहा, हम अभी मरने वालों की कुल संख्या बताने की स्थिति में नहीं हैं।

सऊदी अरब को खून का प्यासा बोलकर ट्रोल हुईं राणा अयूब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रियाद। यमन और सऊदी अरब के बीच लंबे समय से लड़ाई चल रही है। लेकिन इन दिनों दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है। हालिया विवाद तब तेज हुए जब हूती विद्रोहियों ने बीते दिनों संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में ड्रोन हमले किए। इसमें दो भारतीय नागरिकों समेत तीन लोगों की मौत हो गई थी। शनिवार को एक भारतीय पत्रकार पूरे मामले पर टिप्पणी करके विवादों में आ गईं जिन्हें सऊदी अरब के लोगों ने ट्विटर पर ट्रोल भी किया। भारतीय पत्रकार राणा अयूब ने शनिवार को ट्विटर पर लिखा, श्यमन का खून बह रहा है और खून के प्यासे सऊदियों को रोकने वाला कोई नहीं है। ये वे लोग हैं जो खुद को इस्लाम का रक्षक बताते हैं। एक मुस्लिम के तौर पर मैं शर्मिंदा हूं कि ये दरिंदे पवित्र मस्जिद के रखवाले हैं। हूती हमले में भारतीय नागरिकों की मौत के बाद से ही सऊदी अरब नेतृत्व वाला गठबंधन लगातार यमन में हूती कब्जे वाले इलाकों पर हवाई हमले कर रहा है।